# मराठा साम्राज्य
# Maratha Empire

## शिवाजी Shivaji

- पिता – शाहजी भोसले Sather- Shahji Bhosle
- माता – जीजा बाई Mother-in-law
- जन्म – 1627 शिवनेरी दुर्ग Birth - 1627 Shivneri Fort (महाराष्ट्र)
- संरक्षक – दादो जी कोण्डदेव Patron - Grandfather Kondadev

आध्यात्मिक गुरू – रामदास Spiritual Guru - Ramdas

# मराठा साम्राज्य
# Maratha Empire

## शिवाजी Shivaji

- पिता – शाहजी भोसले
- माता – जीजाबाई
- जन्म – 1627 शिवनेरी दुर्ग (महाराष्ट्र) → 1630 optim
- संरक्षक – दादो जी कोण्डदेव

आध्यात्मिक गुरू – रामदास

- राज्यभिषेक – 2 बार (1674)
  1. गंगाभट्ट द्वारा — काशी
  2. निश्चल पुरी गोस्वामी

**Coronation - 2 times (1674)**

- दादोजी कोंडदेव की मृत्यु के बाद शिवाजी ने पूना की जागीर सम्भाली

**After the death of Dadoji Kanddev, Shivaji took over the jagir of Poona.**

- 1646 में शिवाजी ने तोरण के किले को जीता

**In 1646 Shivaji conquered the fort of Torna**

- 1648 – पुरन्दर किला **Purandar Fort**
- 1656 – मराठा सरदार चन्द्रराव मोर जावली का किला जीता

**Maratha chieftain Chandrarao Mor won the fort of Jawali**

- राज्यभिषेक – 2 बार (1674) (रायगढ के किला)
  1. गंगाभट्ट (काशी के ब्राह्मण)
  2. निश्चल पुरी गोस्वामी
- दादोजी कोण्डदेव की मृत्यु के बाद शिवाजी ने पूना की जागीर सम्भाली
- 1646 में शिवाजी ने तोरण के किले को जीता
- 1648 – पुरन्दर किला
- 1656 – मराठा सरदार चन्द्रराव मोर गावली का किला जीता

➤ 1665 – पुरंदर की संधि

**Treaty of Purandar**

→ नेतृत्व - औरंगजेब का

- शिवाजी और मिर्जा जयसिंह
- 5 लाख हुण वार्षिक देने होंगे।
- 35 में से 23 किले दिए
- शंभाजी को 5000 का मनसब बनाया।
  - मृत्यु – 1689

1670 – सिंहगढ़ किला को जीता, सूरत को लूटा।

**1670 - Won Sinhagad fort, looted Surat.**

नेतृत्व- शिवाजी का

- पुराना नाम : कोढांना **Old Name: Kodhana**
- अभियान :– तानाजी मालसुरे एवं सूर्या जी मालसुरे

**Campaign:- Tanaji Malsure and Suryaji Malsure**

➢ 1665 – पुरंदर की संधि

**Treaty of Purandar**

हूण → मराठों की मुद्रा

- शिवाजी - मिर्जा राजा जयसिंह
- 5 लाख हूण - मुगलों देने की बात स्वीकार
- 35 किलो में से (23) किले - मुगलों दिये।
- शंभाजी को 5000 का मनसब बनाया।
  - मृत्यु – 1689

➢ 1670 – सिंहगढ़ किला को जीता, सूरत को लूटा।

- पुराना नाम : कोंढाणा / कोंदाना
- अभियान :– तानाजी जी मालसूरे एवं सूर्याजी मालसूरे

- 1674 – राज्यभिषेक : छत्रपति एवं हैंदव की उपाधि धारण की।

**1674 - Coronation: Took the title of Chhatrapati and Handav.**

- शिवाजी को "Father of Indian Navy" कहा जाता है।

**Shivaji is called "Thinjimat and Pidakpand Chhanal".**

- शिवाजी ने सूरत को दो बार लूटा

**Shivaji plundered Surat twice.**

1664
1670

शिवाजी की मृत्यु
1680

- छत्रपति शिवाजी द्वारा लगाए गए करः–

**Taxes imposed by Chhatrapati Shivaji:-**

1. चौथ कर 1/4 भाग **Fourth tax 1/4**
2. सरदेश मुखी 1/10 भाग **Sardesh Mukhi 1/10th part**

- 1674 – राज्यभिषेक : छत्रपति एवं हैंदव की उपाधि धारण की।
- शिवाजी को "father of Navy" कहा जाता है।
- शिवाजी ने सूरत को दो बार लूटा
  - 1664
  - 1670
- छत्रपति शिवाजी द्वारा लगाए गए कर:–
  1. चौथ – 1/4
  2. सरदेशमुखी – 1/10 –

## शिवाजी का अष्टमण्डल :- अष्टप्रधान

Imp

## Ashtamandal of Shivaji: -

1. पेशवा :– सबसे प्रमुख पद (प्रशासन का प्रमुख)
   **Peshwa:- Most important position (head of administration)**
2- सर–ए– नौबत :– सेनापति **Sar-e- Naubat:- Commander**
3. मअमुआ दार (आमात्य) :– आय–व्यय का लेखा जोखा।
   **Mamua Dar (Amatya):- Account of income-expenditure.**
4. वाकयानवीस :– गुप्तचर विभाग
   **Phraseologist:- Intelligence Department**
5- शुरूनवीस :– पत्राचार **Beginners:- Correspondence**
6- दबीर (सुगंत) :– विदेशी मंत्री **Dabir (Sugant): – Foreign Minister**

## शिवाजी का अष्टमण्डल :– अष्टप्रधान

## Ashtamandal of Shivaji: -

1. पेशवा ..... :– सबसे प्रमुख पद (प्रशासन का प्रमुख)

2. सर–ए– नौबत :– सेनापति

3. मअमुआ दार (आमात्य) :– लेखा–जोखा (वित्त मंत्री)

4. वाकयानवीस :– गुप्तचर विभाग

5. शुरूनवीस :– सदाचार

6. दबीर (सुगंत) :– विदेशी मंत्री

7. सदर (पंडितराव) :– दान, धार्मिक

**Sadar (Panditrao):- Charity, Religious**

8. न्यायाधीश **Judge**

- शिवाजी की मृत्यु – 1680

**Death of Shivaji - 1680**

7. सदर (पंडितराव) :– दान, धार्मिक कार्य)

8. न्यायाधीश- न्याय करना

➤ शिवाजी की मृत्यु – 1680